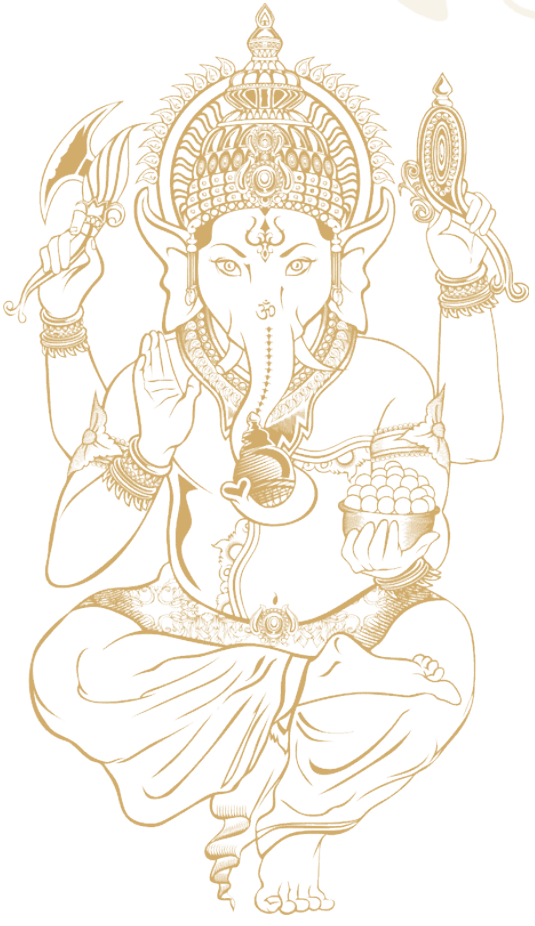

Amit kumar

26 Feb 2004

03:35 PM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121615403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2004**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:35:00 घंटे**
इष्ट	23:17:57 घटी
स्थान	**Muzaffarpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:46:32 घंटे
वेलान्तर	-00:13:03 घंटे
साम्पातिक काल	02:08:58 घंटे
सूर्योदय	06:15:49 घंटे
सूर्यास्त	17:47:31 घंटे
दिनमान	11:31:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:14:03 कुम्भ
लग्न के अंश	15:04:06 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	15:04:06	311:29:46	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	13:14:03	01:00:20	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	24:33:05	11:57:18	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	20:46:14	00:38:27	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	स्वराशि
बुध		अ	कुंभ	07:39:17	01:47:17	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	20:56:06	00:07:43	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	26:42:10	01:08:21	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	12:28:20	00:01:09	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु			मेष	19:37:50	00:00:20	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु			तुला	19:37:50	00:00:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
हर्ष			कुंभ	09:07:21	00:03:27	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:50:56	00:02:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	28:07:43	00:00:54	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मेष	10:35:37	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:43

लग्न-चलित

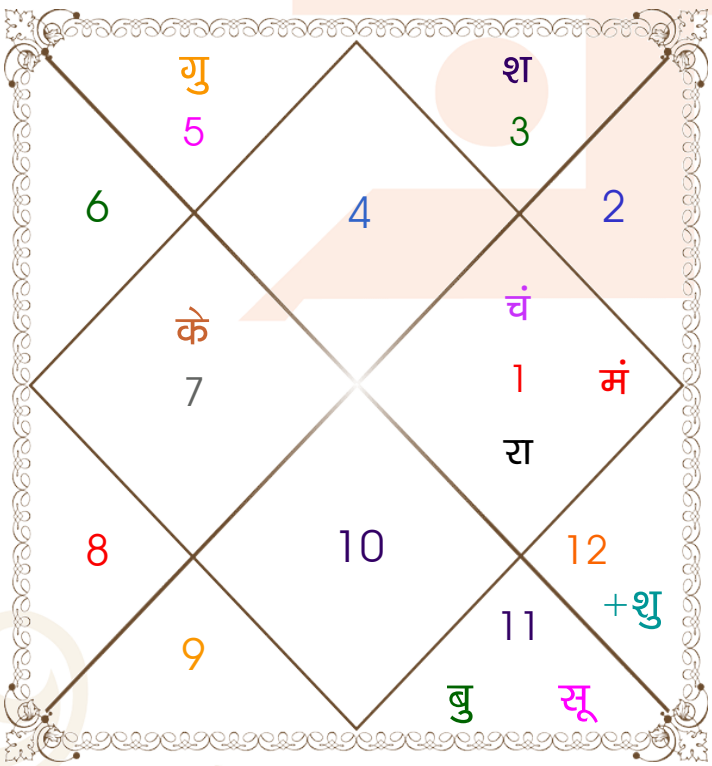

चन्द्र कुंडली

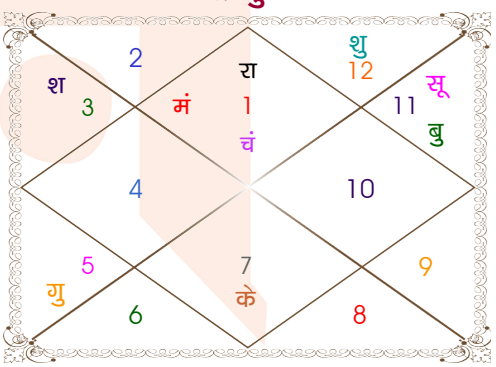

नवमांश कुंडली

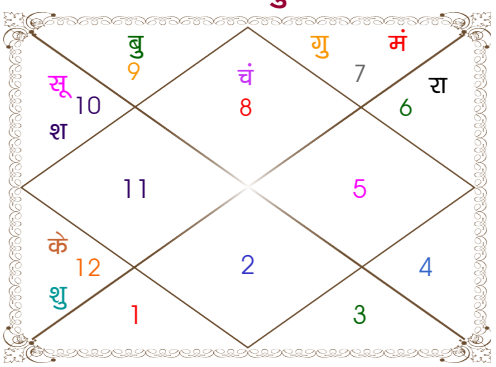

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 2 मास 2 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/02/2004		30/04/2007		30/04/2013		30/04/2023		30/04/2030	
30/04/2007		30/04/2013		30/04/2023		30/04/2030		29/04/2048	
	00/00/0000	सूर्य	18/08/2007	चंद्र	28/02/2014	मंगल	26/09/2023	राहु	10/01/2033
	00/00/0000	चंद्र	16/02/2008	मंगल	29/09/2014	राहु	14/10/2024	गुरु	06/06/2035
	00/00/0000	मंगल	23/06/2008	राहु	30/03/2016	गुरु	20/09/2025	शनि	12/04/2038
	00/00/0000	राहु	18/05/2009	गुरु	30/07/2017	शनि	29/10/2026	बुध	29/10/2040
	00/00/0000	गुरु	06/03/2010	शनि	28/02/2019	बुध	27/10/2027	केतु	16/11/2041
	00/00/0000	शनि	16/02/2011	बुध	30/07/2020	केतु	24/03/2028	शुक्र	16/11/2044
	26/02/2004	बुध	24/12/2011	केतु	28/02/2021	शुक्र	24/05/2029	सूर्य	11/10/2045
बुध	28/02/2006	केतु	29/04/2012	शुक्र	29/10/2022	सूर्य	29/09/2029	चंद्र	12/04/2047
केतु	30/04/2007	शुक्र	30/04/2013	सूर्य	30/04/2023	चंद्र	30/04/2030	मंगल	29/04/2048

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/04/2048		29/04/2064		30/04/2083		30/04/2100		01/05/2107	
29/04/2064		30/04/2083		30/04/2100		01/05/2107		00/00/0000	
गुरु	18/06/2050	शनि	03/05/2067	बुध	26/09/2085	केतु	27/09/2100	शुक्र	31/08/2110
शनि	29/12/2052	बुध	10/01/2070	केतु	23/09/2086	शुक्र	27/11/2101	सूर्य	31/08/2111
बुध	06/04/2055	केतु	19/02/2071	शुक्र	24/07/2089	सूर्य	03/04/2102	चंद्र	01/05/2113
केतु	12/03/2056	शुक्र	21/04/2074	सूर्य	30/05/2090	चंद्र	03/11/2102	मंगल	01/07/2114
शुक्र	11/11/2058	सूर्य	03/04/2075	चंद्र	30/10/2091	मंगल	01/04/2103	राहु	30/06/2117
सूर्य	30/08/2059	चंद्र	01/11/2076	मंगल	26/10/2092	राहु	18/04/2104	गुरु	29/02/2120
चंद्र	29/12/2060	मंगल	11/12/2077	राहु	15/05/2095	गुरु	25/03/2105	शनि	01/05/2123
मंगल	05/12/2061	राहु	17/10/2080	गुरु	20/08/2097	शनि	04/05/2106	बुध	27/02/2124
राहु	29/04/2064	गुरु	30/04/2083	शनि	30/04/2100	बुध	01/05/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 2 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्जवल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगे। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आपको सतत ही सन्धिवात अर्थात् गाँठ के दर्द (गठिया) वाय, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत नियंत्रण रखें।

अकारण मद्यपान की निवृति की अनुशंसा करे। अर्थात् त्याग करें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगे तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगे। आप मंत्रि पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकते हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सके। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करते हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेगें। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि के भावुक प्राणी है। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेगे। आप अपनी पत्नी के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगे। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहते हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते है। परन्तु इस

प्रवृति का दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चितता पूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगे। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।